चीनी बच्चों की
विचित्र कल्पनाएं

लेखक : छङ च्या आदि
चित्रकार : याङ वनमिन

डॉलफिन प्रकाशन पेइचिङ

मैं एक ऐसी घड़ी का आविष्कार करना चाहता हूं जिसके दो भाग हों – लाल और नीला। रात को नीले भाग से भीनी-भीनी खुशबू निकलती हो जिससे सूंघकर मेरे नन्हे सहपाठियों को तुरन्त नींद आ जाए। प्रातःकाल घड़ी के लाल भाग से मधुर संगीत निकलता हो जिसे सुनकर नन्हे सहपाठी फौरन जाग कर स्कूल जाने को तैयार हो जाएं।

मैं एक "बोलती" पेंसिल का आविष्कार करना चाहती हूं। जब मैं धीरे-धीरे लिख रही होऊं तो वह मुझे सचेत कर दे, "जल्दी लिखो !" अगर लिखते समय मेरा सिर किताब के नजदीक आ जाए तो सचेत कर दे, "अपना सिर उठा लो, " और अगर मैंने कुछ गलत लिखा हो तो मुझे चेतावनी दे दे, "अरे लापरवाह लड़की. अपना लिखा एक बार फिर से जांच ले !"
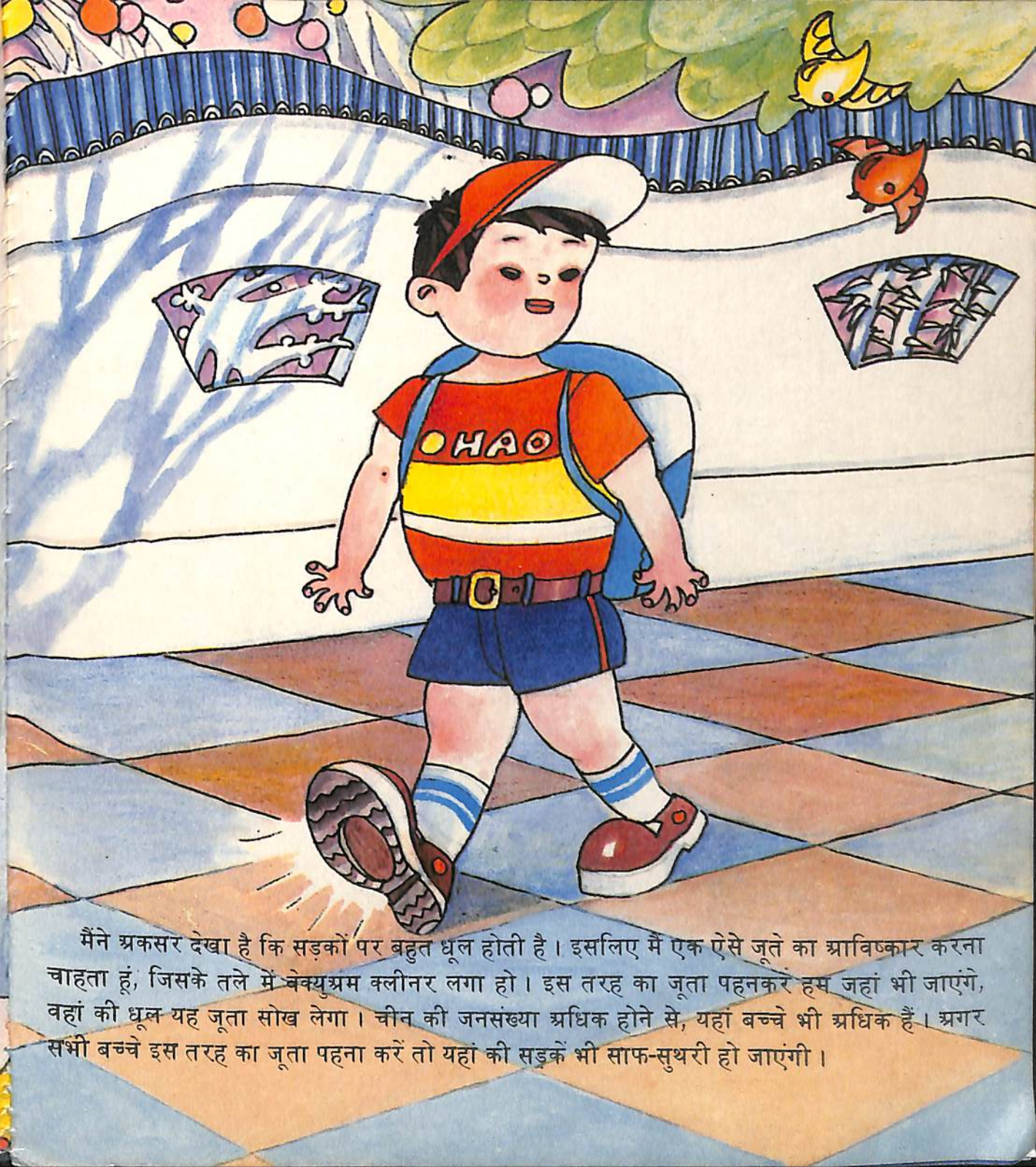
मैंने अकसर देखा है कि सड़कों पर बहुत धूल होती है। इसलिए मैं एक ऐसे जूते का आविष्कार करना चाहता हूं, जिसके तले में वेक्युअम क्लीनर लगा हो। इस तरह का जूता पहनकर हम जहां भी जाएंगे, वहां की धूल यह जूता सोख लेगा। चीन की जनसंख्या अधिक होने से, यहां बच्चे भी अधिक हैं। अगर सभी बच्चे इस तरह का जूता पहना करें तो यहां की सड़कें भी साफ-सुथरी हो जाएंगी।

मेरा गांव पहाड़ियों से घिरा हुआ है। इसलिए मैं एक विचित्र पंख का आविष्कार करना चाहता हूं, जिसे लगाकर पक्षियों की भांति पहाड़ियों को पार किया जा सके। किसी भी रमणीय स्थान पर पहुंचने पर उसे निकालकर बस्ते में रखकर वहां घूमा जा सकेगा और फिर, उसे लगाकर जहां जाना हो जाया जा सकेगा।
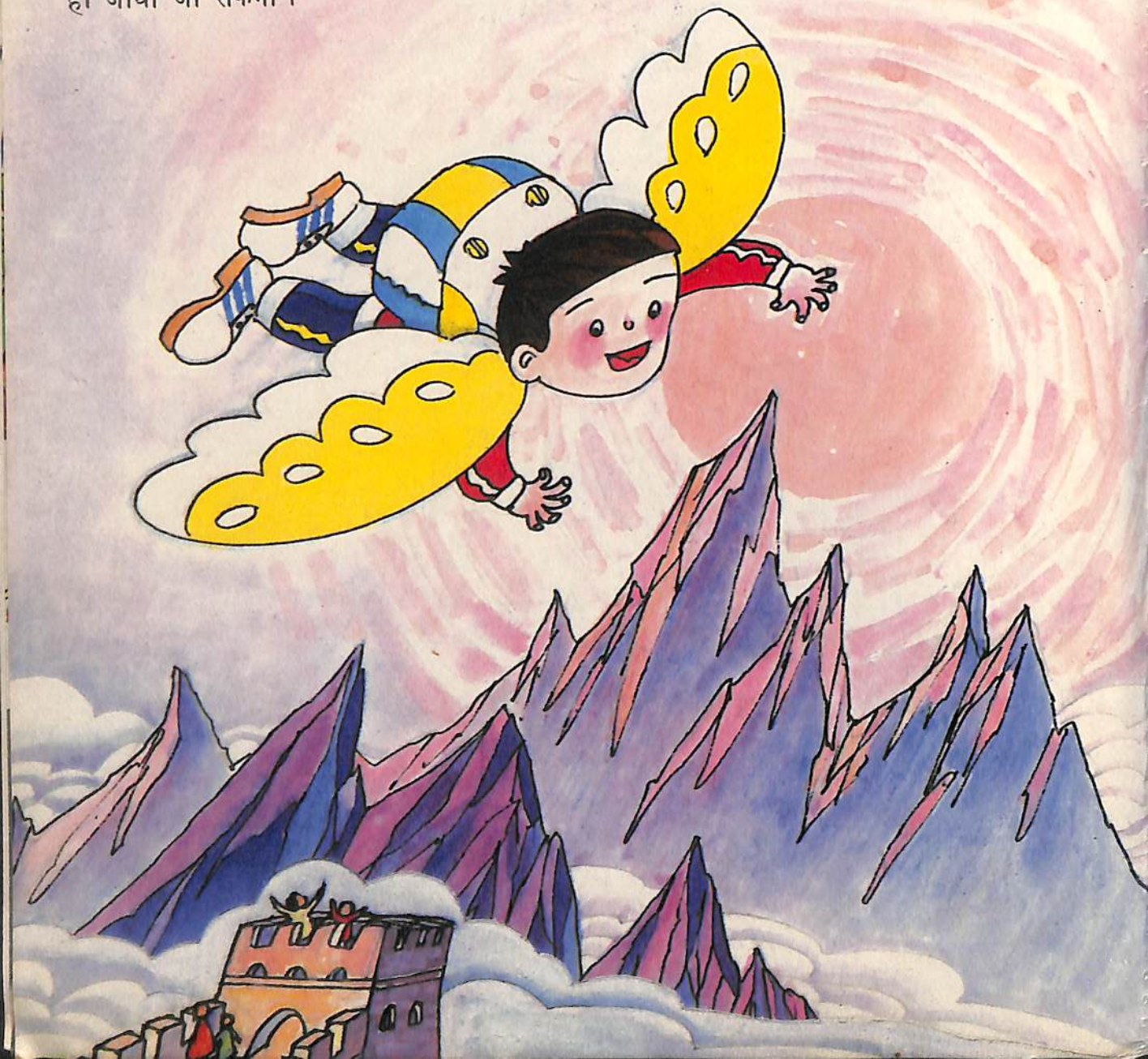
मैं एक ऐसे कपड़े का आविष्कार करना चाहती हूं, जिससे मौसम के परिवर्तन के अनुसार ठंडी और गर्म हवा निकलती रहे। इसके साथ ही उसमें एक लघु वेक्युअम क्लीनर भी लगा हो ताकि कपड़ा मैला होने पर उसमें लगा वेक्युअम क्लीनर अपने आप उसकी गंदगी सोख ले। इस तरह का कपड़ा कितना आरामदेह और साफ-सुथरा होगा!

मैं एक ऐसे वॉकी-टॉकी का आविष्कार करना चाहता हूं, जिसके द्वारा हर तरह के पशु-पक्षियों से बातें की जा सके। पशु-पक्षी मनुष्यों की और मनुष्य पशु-पक्षियों की बातें समझ सकें तो यह कितना दिलचस्प होगा।
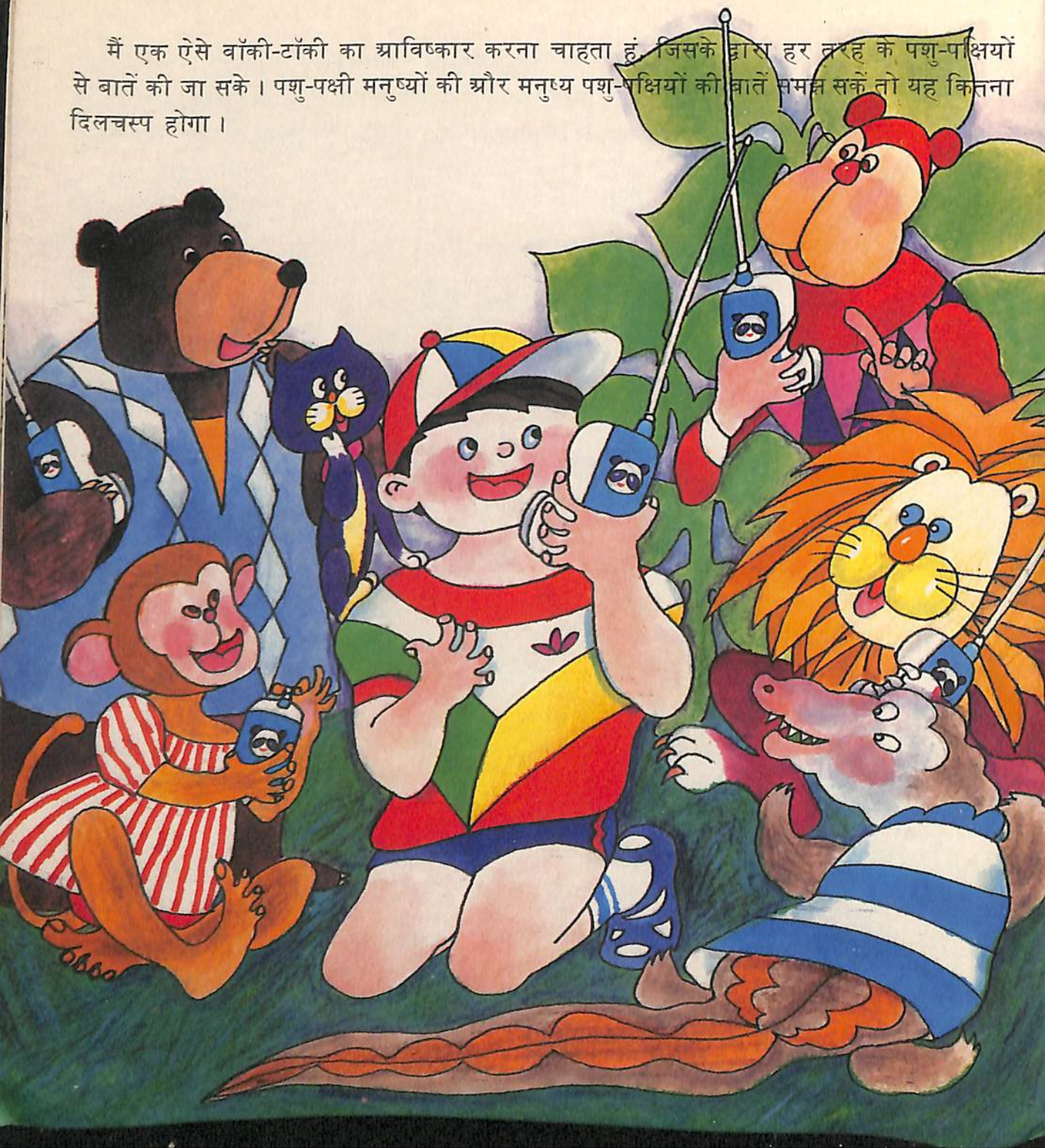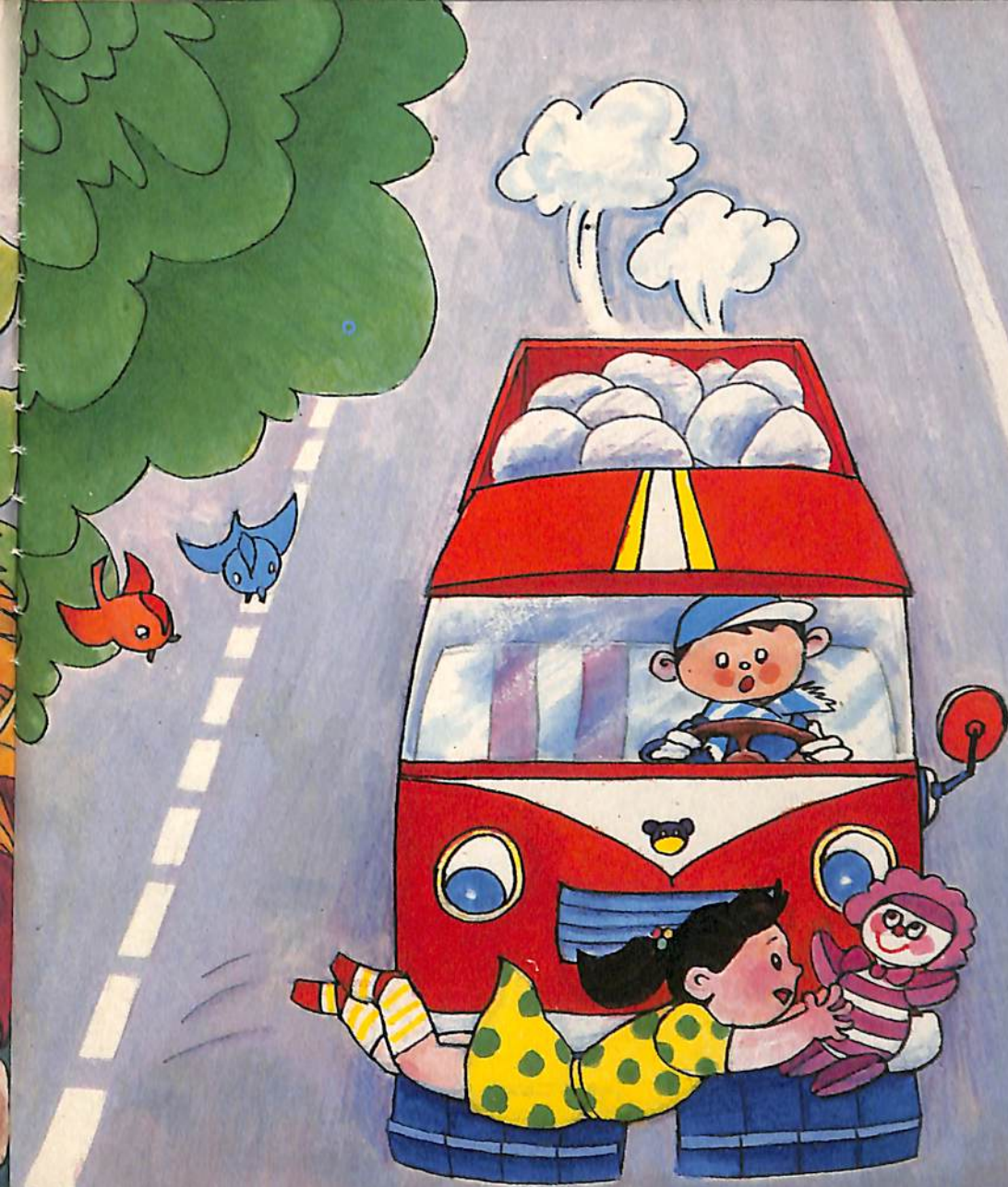
मैं एक ऐसी मोटरकार बनाना चाहता हूं, जिसके आगे की ओर दो मशीनी हाथ लगे हों। किसी से टकराते समय ये दोनों हाथ फौरन बाहर निकलकर उस व्यक्ति को उठा लें।
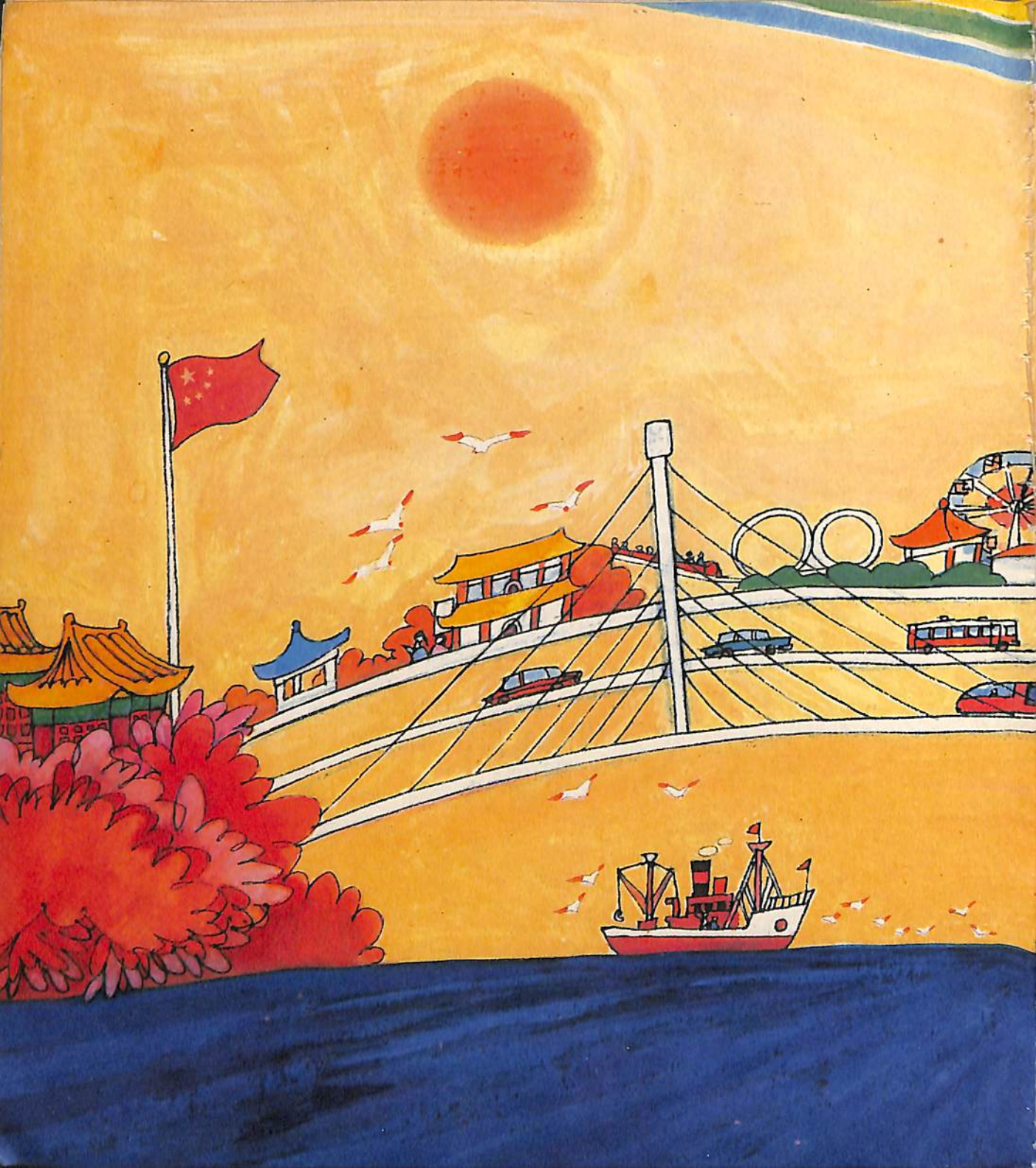
मैं प्रशांत महासागर पर एक ऐसा पुल बनाना चाहता हूं, जो चीन और अमरीका को जोड़ता हो। इस पुल के तीन तल्ले होंगे। पहले तल्ले पर रेलगाड़ी चला करेगी, दूसरे पर राजमार्ग होगा और तीसरे पर आधुनिक शहर, सड़कें और पार्क आदि होंगे। इस पर खड़े होकर प्रशांत महासागर का रमणीक दृश्य देखा जा सकेगा।

मैं चाहती हूं कि वर्तमान सड़कों पर ऐसे अनेक पुल बनाए जाएं, जो सड़क से समतल रूप से चिपके हों। जब कभी सड़क पार करनी हो, बस सिर्फ बटन दबाते ही पुल अपने आप सड़क के ऊपर उठ जाएगा। इस तरह सड़क पार करना कितना आसान हो जाएगा।
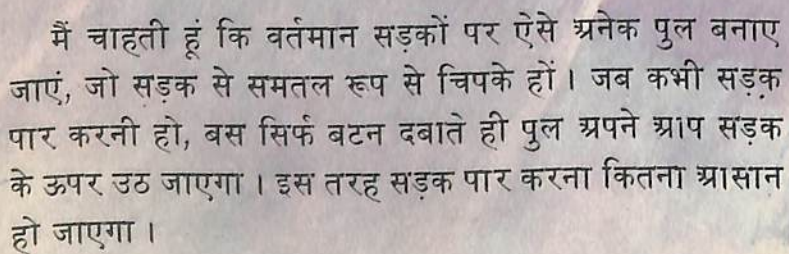
मैं एक ऐसा पलंग बनाना चाहता हूं, जो चल भी सके। बुजुर्गों के थक जाने पर पलंग अपने आप चलकर उनके सामने आ जाए ताकि वे उस पर लेट जाएं। बुजुर्ग कहें, "दीवार से लग जाओ" तो वह फौरन दीवार से सट जाए और अगर बुजुर्ग कहें कि उन्हें छज्जे पर बैठकर धूप सेंकनी है, तो वह छज्जे की बगल में सट जाए।

मैं एक ऐसा स्टेडियम बनाना चाहता हूं, जिसकी छत स्वचालित हो और जिसमें बिजली के बल्ब भी लगे हों। वर्षा होने पर वह छत अपने आप दोनों ओर से जुड़ जाएगी ताकि खिलाड़ी अपना मैच जारी रख सकें।

मैं एक ऐसे वस्त्र का आविष्कार करना चाहती हूं,
जिससे आयोजन में भाग लेते समय प्रकाश बदलने के
साथ-साथ मेरे वस्त्रों का रंग भी बदल जाए। इससे मेरे
कार्यक्रम की शोभा और भी अधिक हो जाएगी।
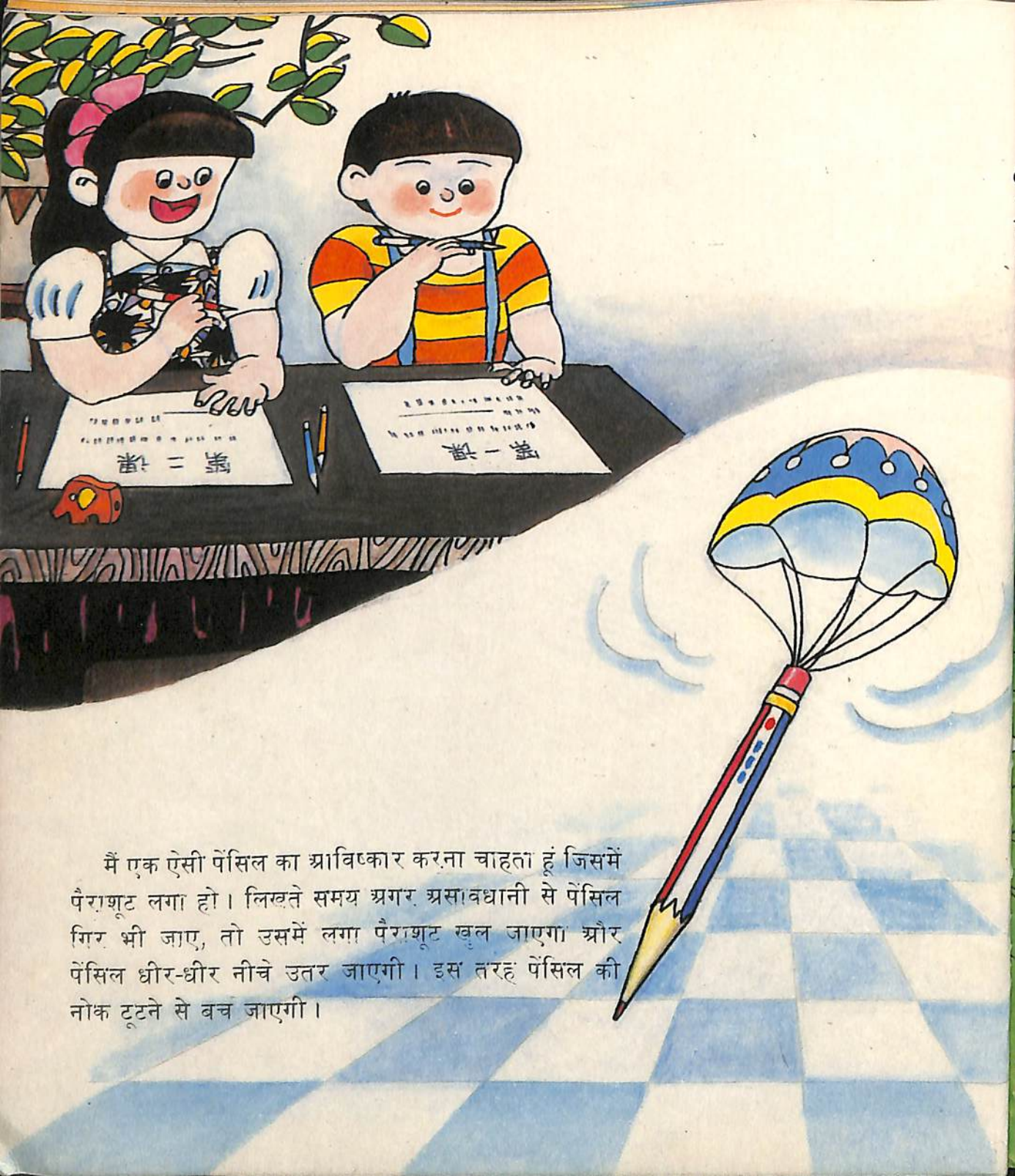
मैं एक ऐसी पेंसिल का आविष्कार करना चाहता हूं जिसमें पैराशूट लगा हो। लिखते समय अगर असावधानी से पेंसिल गिर भी जाए, तो उसमें लगा पैराशूट खुल जाएगा और पेंसिल धीरे-धीरे नीचे उतर जाएगी। इस तरह पेंसिल की नोक टूटने से बच जाएगी।

मुझे गर्मी से बहुत परेशानी होती है। इसलिए मैं एक ऐसा यंत्र बनाना चाहता हूं जिसे गर्मी अधिक होने पर सूर्य की ओर करते ही, सूर्य के क्रोध से लाल पड़े मुंह पर मुस्कान थिरक जाए और ताप कम होकर मेरे सहन करने योग्य बन जाए।

मैं एक ऐसे यंत्र का आविष्कार करना चाहता हूं जिसके सिरे पर लगी खड़िया ब्लैकबोर्ड पर अध्यापिकाजी के मुंह से निकले हर शब्द को स्वयं लिखने लग जाए। मैं इस यंत्र को कंप्यूटर-खड़िया कहूंगा ।
科学

मैं एक ऐसे मकान का आविष्कार करना चाहता हूं, जो हवाई जहाज की तरह आकाश मैं भी उड़ सके और मेरी इच्छानुसार छोटा-बड़ा भी होता रहे। इसमें सभी तरह के वीडियो गेम्स लगे होंगे और इसके भण्डार में रखी सारी मिठाइयां और खाने-पीने की चीजें हमेशा ताजा बनी रहेंगी।

मुझे मच्छरों से डर लगता है। इसलिए मैं एक ऐसी मशीनी ड्रैगनफ्लाई का आविष्कार करना चाहता हूं जो मेरे सो जाने पर सारे मच्छरों को खाती रहे।

中国孩子的奇妙想象
程 佳 等写
杨文敏 绘
*
海豚出版社出版
(中国北京百万庄路 24 号)
邮政编码 100037
科学院印刷厂印刷
中国国际图书贸易总公司发行
(中国北京车公庄西路 35 号)
北京邮政信箱第 399 号 邮政编码 100044
1992 年(20 开)第一版
(印地)
ISBN 7—80051—726—8 / J·970 (外)
00275
88—H—439P

इस बाल-पुस्तिका में "मशीनी हाथ वाली मोटरकार", "प्रशांत महासागर पर पुल" और "पैराशूट वाली पेंसिल" आदि चीजें बनाने के 18 चीनी बच्चों की विचित्र एवं मनोरंजक कल्पना प्रकट हुई है। इन्हें पढ़ कर बालकों की बुद्धि के विकास में सहायता मिलेगी।
ISBN 7-80051-726-8
88-H-439p